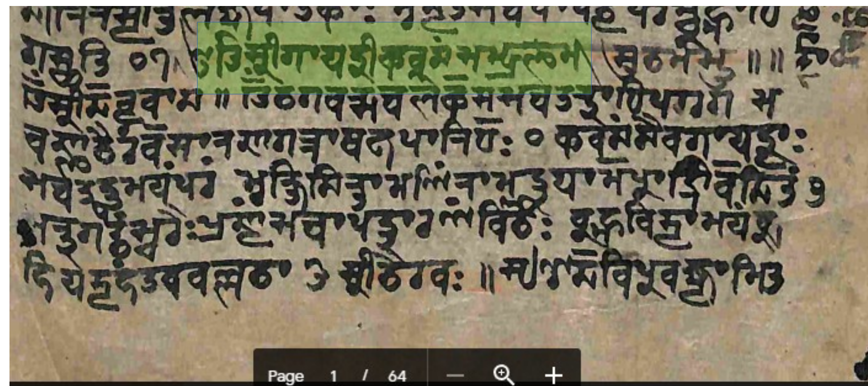
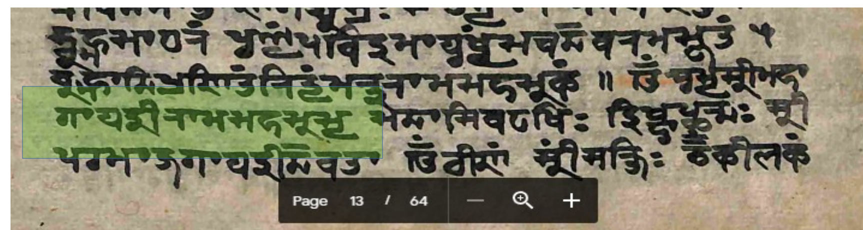
22 July Baramulla 30.pdf **Title : Shri Gayatri Kavacha – Sahasra Nama – Stava – Mantra**

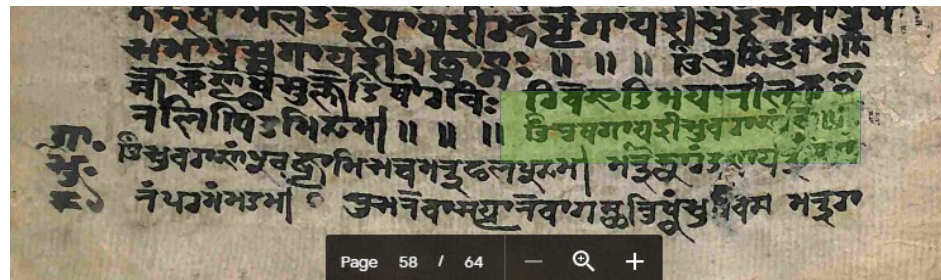
Gayatri Kavacha



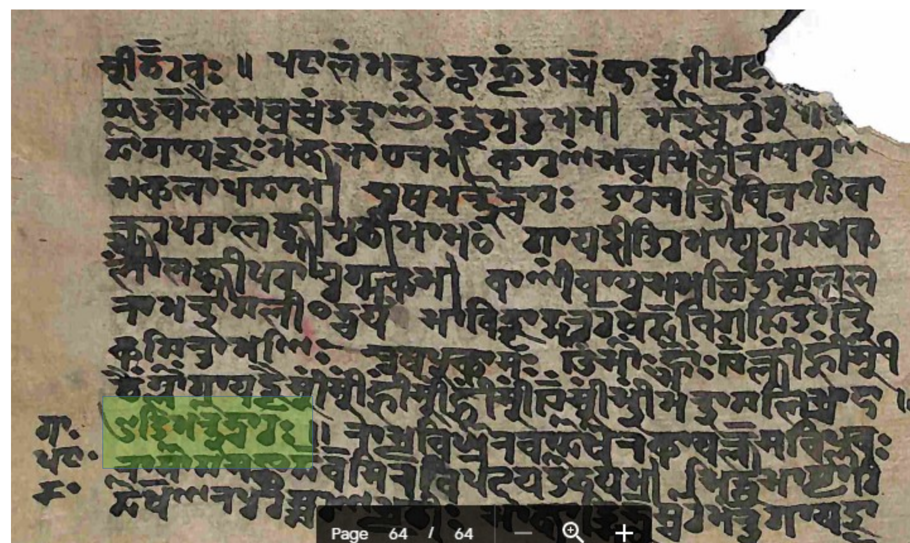
Gayatri Sahasra Nama



Gayatri Stava



Gayatri Mantra



[illegible]

मे कटिं पातु भगवान् विश्वरूपधारी ॐ हंदं पातु मे जानु भगवान् गुरु
कुलधारी ७ ॐ ह्रीं पातु मे ऊरु विष्णुलोकं कुलधारी ॐ
श्रीं पातु मे नाभिं ब्रह्मलोकं कुलधारी १० ॐ श्रीं पातु मे हृदयं
नगलोकं कुलधारी ॐ ह्रीं पातु मे पादौ भूलोकं कुलधारी ११
विष्णु ॐ ॐ तत्त्वमस्यनन्तवनमालिने ॐ ह्रीं पातु मे सर्व
वपुर्धारी १२ ॐ ह्रीं प्रचण्डः पातु मे कृष्णवर्ण
दिव्यः ॐ ह्रीं श्रीं पातु मे त्रिशरणः १३ ॐ ह्रीं
भगवान् विष्णुः ॐ श्रीं पातु मे
भास्वानुभवः १४ ॐ श्रीं चतुर्भुजः ॐ
ॐ ह्रीं ब्रह्मगुणाय १५ ॐ ह्रीं पातु मे वि
ष्णुः सर्वदा हरिः ॐ ह्रीं पातु मे सर्व
मेरु १७ ॐ ह्रीं भगवते पातु मे सर्वदा लक्ष्मीमे

ते॰ ग॰ क॰ ५

ਪੀਥਹ੍ਰਾਸ੍ਰਾ ਸੋਸ੍ਰਿਤ੍ਰਾਨਃ ਸਦਾ ੨੭ ਤ੍ਰਿਵੰਤ੍ਰੰ ਮੇ ਨਿਖੀਸ੍ਰਾਨ੍ਤ੍ਰੇ ਪਾਤੁ
ਸਾਦ੍ਰੁਨਾਯਕਾ ਸਦਾ ਸਦਾਨਸਾ ਪਾਤੁ ਤ੍ਰਿਸੰਸ੍ਰੋ ਸ੍ਰਸ੍ਰੁਨਾਯਕਾ ੨੮
ਤ੍ਰਿਖੰਡ੍ਰੋਂ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਤੁਲਾ ਸੁਤੁਲੁਨਾਯਕਾ ਤ੍ਰਿਸਸੰਸੋ ਸਦਾਤੁ
ਵਿਦ੍ਰਿਸ੍ਰੁਤ੍ਰੋਦਾਸ੍ਰੁਨਾਯਕਾ ੨੯ ਤ੍ਰਿਦੰਤ੍ਰਿਸਦ੍ਰੁਤਃ ਪਾਤੁ ਗਾਯਤ੍ਰੀ
ਸਦ੍ਰੁਨਾਯਕਾ ਤ੍ਰਿਸ੍ਰਲੰਲਲੰਲੰਕ੍ਰਃ ਤ੍ਰਿਧੰਸਾਂ ਪਾਯਾਦ੍ਰਹ੍ਮਨਾਯ
ਕਾ ੩੦ ਲਖ੍ਮੀ ਲਖ੍ਮੀਃ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਕੀਰ੍ਤਿਂ ਕੀਰ੍ਤਿਃ ਸਦਾਵਤੁ
ਧ੍ਰਿਤਿਂ ਧ੍ਰਿਤਿਃ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਤੁਸ਼੍ਟਿੰ ਤੁਸ਼੍ਟਿਃ ਸਦਾਵਤੁ ੩੧ ਸ੍ਮ੍ਰਿਤਿਃ ਸ੍ਮ੍ਰਿਤਿਂ
ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਸਾਂਤਿਂ ਸਾਂਤਿਃ ਪ੍ਰਕੁਰ੍ਵਤੁ ਵ੍ਰਿਤਿਂ ਸੀਧ੍ਰਿਂ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਸ
ਤੁਸ਼੍ਟਿੰ ਸਦਾਵਤੁ ੩੨ ਗਤਿੰ ਗਤਿਃ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਭ੍ਰਾਂਤਿੰ ਭ੍ਰਾਂਤਿਃ ਸਦਾ
ਵਤੁ ਰਤਿੰ ਰਤਿਃ ਸਦਾ ਪਾਤੁ ਕਾਲੀ ਕਾਲੀ ਪ੍ਰਕੁਰ੍ਵਤੁ ੩੩ ਸ
ਨਾਸਨੀ ਪਾਤੁ ਸੰਸਾਰੇ ਸੰਨਾਸੰਠਾ ਪ੍ਰਕੁਰ੍ਵਤੁ ਕ੍ਰਿਯਾਸਦੀ ਕ੍ਰਿਯਾ
ਸਿੱਧਿੰ ਰਤਿ ਤੁਸ਼੍ਟਿੰ ਪ੍ਰਕੁਰ੍ਵਤੁ ੩੪ ਸਤਾਃ ਪੋਨ ਸਪਤ੍ਰਮੁਃ ਪਾਤੁ ਸਾਂ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible manuscript text]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ति सूर्यो देवताम ॥ ॐ त्र्यम्बकमृषिर्भविष्णुर्मनुर्मयंसि
वं भद्रमस्य मन्त्रस्य छन्दो देवताः गायत्री भारद्वाजर्षिणी ० ऋष्टवि
ष्टुप्स्वर्णमूर्त्तिर्बृहस्पतिर्भारद्वाजलगङ्गाभुः उभूः नामभद्रमुन्तुभ
द्रमनुष्कमाणवं ३ देवतानां देवतायां गायत्री भारद्वाजर्षि
णीः यावित्रधरभालेकविष्णुभक्तलस्यापिनी ३ मन्त्र
विस्मात्रा गीविष्णुधरभाउजामिदेवता गायत्री द्विपदीन
भ्रीवित्समाउत्सालगष्ठभुः क उभूः नामभद्रमूत्तुभमय
न्मृक्रमाणवं भूर्भुवाविद्भायुंभुमवसिवनभमुं ४
शुक्रामित्रलिंतविहंभन्तुनामभद्रमूकं ॥ ॐ भद्रेसूर्यन्द
गायत्री नामभद्रमूलं भेलामिवदधिः इन्द्रकुम्भः सू
धरभाउगायत्री देवता ॐ ह्रीं बीजं श्रीं शक्तिः ॐ कीलकं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ग्नं ढं णं ङं ढं ऌं तं थं दं धं नं पं फं बं भं यं रं लं वं शं षं सं हं ळं क्षं लं ॐ
ह्रां द मिव मत्तिं भगा मिव सुर सुहु विह भाय कल विह
गाक लनियाति भग थयति चड्कू सुतिं भन मुविप्री
स्त्रीलिङ्ग पूल्ल कर्त्तृ निपाम पुत्र पमु विरस्य मड्या
मतरू कस व स्व स्वदि मलिल पाष्वतत्त्म मा विमपाक
मन तु धी ठपचनमः उति पुपप सूलि इयमकु सूहिरू मिं
त्म नवियमधीं पकिलत्रु मीमकू पुमवकु मिकय वमः
ऊसु ह्रं सुमत्र मूप रयविष्टं पनाऊं मवस भषु
पत्रिकल्यु सुयमपिगाप श्रीऊ उवि पड रुव गयुवृ
दि॰ मनं स्वर्प समनु पमशा लिनु पपीड उड्व भाक्षरिकं
गा॰ यङ्गं उकुमं भनंलविगाघ मैल मह्नट सीपत्रमग्नं
पठु॰ ह्रवङभानन्त्रे उमशु लायनुमः उंनमः इकू श्रीः
३० ओंः नमः मधोझैं नमः वाभ उं नमः ऐं मान्वे ओंः नमः

आग्नेये ह्रौं नमः नैऋते ॥ ॐ ह्रौं नमः वायव्ये ॥ ॐ ह्रौं नमः मध्ये
ह्रौं नमः भवसिद्धः ॥ ॐ त्रिपुष्प घृतैः स्नपयामि ॐ ३ मण्डलप
त्रय दल ॥ ॐ त्रिपुरायाश्चिकं मंत्रस्थ रं वह्निमण्डलाय दश
कलात्मने नमः ॥ ॐ त्रिपुरसुन्दरी ॐ अं पात्रलिंते सकलं मंत्रस्थ
सह सौः ह्रौं पं पद्ममण्डलाय द्वादशकलात्मने नमः ॥ ॐ
त्रिपुरसुन्दरी मलमस्वादं भाषकल्प सूर्य दलं ॥ लं दं मंत्र
मंत्रलिंते ॥ ॐ कुरु कार्य तं उत्तम ॥ सोममण्डलाय षोडश
कलात्मने नमः ॥ ॐ ऊर्ध्व मलस्नानमुक्तं रंभिके अंगं मंत्रं गङ्ग
ह ओं जयपद ॥ ॐ कुर्वे वर्षसिद्धि मां भवतु सिद्धि विधिः
उत्पन्न ह्रीं पद्मावर्ते श्रीं कलपद्म धातु मध्ये ह्रौं मण्डल
विधाय अलमस्वादं श्रीपात्र मण्डलं वसुकलात्मने मण्डल
य नमः ३३ः अवधे मण्डल अलं नासहस्रं ॐ अं ह्रौं पात्रलिं

ॐ श्रुतं संभूय शं भू मङ्गलाय शत्रु सकलायै नमः ५ह
क्षत्रुयै ह्रूं त्रिभिः कपुत्र्युकरणा उ ग्रथन्त्रक
लंमभापृद सौं ओं भमङ्गलाय धेनु सकलायै नमः ५ह ह्रूं ३
भंधमङ् त्रिं ह्रीं परमभुम्नि विधाम कमसुहूं वादि विमृद
सक्त्रिविदि मिपाद्वि विकहूं ३ अर्दत्रि कलं मसम मम्भु
ह्र पद्मुक्ति ह्रूं कहूं विकहूं ३ सं स्रीं स्रूं सैं सौं सुः चन्द्र
चन्द्र कवच चं त्र वहिमि चम्पा त्रिसुमि पुत्रस्य मि चमा
भूमय ३ सुतुसुन यक्ष्मं भैमय ३ भै लिक यै नमः ५ त्रिमध
क पूर्णाय त्रिं कं क्षीं क्रीं कुविकाकुमसुं ठिविविक नन्दु
त्रि: कहूंमध्य हौं सौं मृद त्रि त्रि पूर्णाय श्रुनक सुरायुहीं सुहूं धू
गा: विपूर्णयन्त्र ३ हूं त्रुन क्षुरायविकादे च मत्रमध्ये शीमदि ३ त्रे
चतु: ३ हनाशीश्वरः पूर्णमयान्त्र ३ हं मन्त्र मियमि त्रि विभ्रायन्त्र ३ त्रे
३३

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

धर्मसूलिंमङ्ग ॥ मनोरुचनक्षत्रवसी॰ पु॰ प्र॰ ३॰ ॥ मनकमनक्ष
त्रवसी॰ प॰ प्र॰ ३॰ ॥ वृषभिकु नक्षत्रवसी॰ प॰ प्र॰ ३॰ त्रिभुवनसि
हनक्षत्रवसी॰ ॥ भानवैभ्यः ॥ ऐ धरा धरा ब्रह्मः श्रीगुरुभ्यो ॥ ॐ
धर्मसङ्घ ॥ ठठनक्षत्रवसी॰ ॥ विनयनक्षत्रवसी॰ अभयनक्ष
त्रवसी॰ ॥ कुम्भनक्षत्रवसी॰ ॥ कमलनक्षत्रवसी॰ ॥ ए
कनक्षत्रवसी॰ ॥ शुकनक्षत्रवसी ॥ सिवनक्षत्रवसी॰ ॥
मानक्षत्रवसी॰ ॥ सर्वांवन्मत्रियुतसी॰ ॥ सर्वनक्षत्रवसी॰ ॥
सिद्धभुवनसिद्धिसुधिपञ्चकप्रणम्याभिनमः ॥ उदयाभिनमः ॥ ॐ
मवेइतिभानवैभ्यः ॥ ॐ गुरुपद्धतिरयंसंपूर्ण ॥ ॥ शुभमस्तु
सिद्धैश्वर्यं भवतु भुक्तिमुक्तिप्रदायकं गुरुं श्री
वीरपुर वन्दिः श्रीमत्सुपरंतु दाश उत्तमिश्रापनुभवतु
धर्मार्थितउणाठहृत्सभयीनेत्र हृत्कमलमभयाश मामिव

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

• पपत्रुमाणीहं पृतुपुमसमनीयंमपपकारिधिपरिकल्पया
भिवमः प्रेलं उैलहुतुनकेनमभ्यतपउीकु प्रात्रालिविष्णय
प्रेलनैवव मृ्लकृरदारकुयुरकिमीलत्रपुरजेलकुरे
लहुद पात्रेुमृ्पिपविप्रुमवीरादु प्रेलमुह्रदं मृ्म
उमृ्पपत्रुमृ्प हेनठुपपतपप्तमिमपपत्रुप्रभिवमः
प्रेलं कुरुरगकेमोधंपरिकल्पया भिवमः उउुम हूपप्रव
वमृ्ंलविठव्ह भामरंमिह्रुः मनुपलुनागमप्रम
भिमुमुलुपपइमिपद्दविष्णय प्रेलनउे गमुव भिहि
भिहुडुनरुउ प्रेलं नुमउपमुग्गभिमिह्राद उमिव
मउेदउनगहुपसालेविवह प्रेलं देमपद्दगउभिहि पू
पूलुमिपपत्रुमकृ पृतमुह्र रुमुंविठव्ह प्रेलमालंवि

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हित्तुलाप[illegible]णं[illegible]कुं विद्धुमा [illegible]
[illegible]भैरवी[illegible]मा [illegible]किद्धि[illegible]लिङ्ग
[illegible]भ्रूमा [illegible]वीयुक्तं[illegible]विद्धमा [illegible]
[illegible]विद्धमा [illegible]
[illegible]विद्धमा [illegible]
[illegible]लिङ्गं[illegible] ॥ श्रीभैरवी ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]विद्ध[illegible]लमा [illegible]
गा. [illegible]
पट. [illegible]
३७ [illegible]मा [illegible]मा

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]मीसिवे नमस्तुः कपालभृते ध्येतीपल:
[illegible]रः कलशिवेब्रवमन्तेसिकपालेधूमः सिवे प्रस
नीयामदस्ये विवसुशुमसुत्रिक्तः १०३ सुत्रे सिवेण
मधुसुप्रख्यपायल्ले: मस्पुष्टिमसीजनसमायिशी
शुभवाशिवी वीमशीत्रिलिकसमशुद्धपुलिनी विमुम
मलल ठदिरमानमस्तु सिद्धानवीयामस्त्रवाति द्रि
मशा कुलिकसमप्रभाविगलाशुभी ठलम
वैपीतुरासिमृत्रवमस्तुवनेस्वरी गतस्मायसवृत्रि
सुललीपामपद्यिः ०१२३ सुतेमलसुमार्कुवसे
भीसुवी नमः पदमवामसिवेश्वकिलेसुमायसुरी ठि
कुपीअवेशवंनासुरीदियनसिवे मधुसुर्वः सि
वेसिवेप्रहः पद्ममेविवितुः भवमुक्तंमपमंमल

गुंतुसुभंभिवु विक्रैमंप्रहुविणिवकुन्दसुम [illegible]
यैसं लृषनुभिकमाह्नुंमायशीमहुविशुदमा यय
व माणकुस्रवैलिकडहूरुडलंशुम्रुग पमिवेस्रुवमतु
षवुकुणनुमडसुह िपुश्रुसभमहुमुडगः यदीवि
उमाडुड डुंवहमलमपमुत्तिकडुककोलकमृय
पमुतैकमुभमाडुडविविमियमुडगाडः हुमाणिःि
मवतीलि हुमाविमुमिवुमिुडः हुहुयाणिमडमैयहु
मतुड हुडमुवः यहुायुवतीलिमुहुदहुमैमडे
उपै यवमसीमयिहुहुमवमिक्तिमवमयुड
हुवमहुमुवहुमिमचडववितवितमा मवड
ग. तुमडहुसमेवातिुयविविमुडमा पहृवकुमउहु
पं. मैडवतु हिलैमबमा लणकीलयहुुजिमिहुमीम
५१

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 1
[illegible]
[illegible] 3
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १३ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १४ ॥ [illegible]

[illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] विश्वामित्रऋषिः [illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] देवता [illegible] कीलकम् [illegible]
[illegible] न्यासविनियोगः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ११

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गा॰ [illegible]

मू॰ [illegible]

६३ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]